अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल

तत्त्वज्ञान वर्ष : 2018 **दिनांक : 21-12-2018**

समय : 3 घंटा **तृतीय वर्ष-द्वितीय- प्रश्न पत्र** **पूर्णांक : 100**

पुण्य-पाप-50

प्र. 1 किन्हीं आठ प्रश्नों के उत्तर दो लाईन में लिखें। 16

(पुण्य) किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर लिखें।

(क) अनंत से क्या तात्पर्य है?

(ख) काम भोग का क्या अर्थ है?

(ग) अगुरु लघु शुभ नाम का क्या तात्पर्य है?

(घ) दस अंग वाली भोग सामग्री कौन सी है?

(ङ) अल्पायुष्य बंध के हेतु लिखें।

(च) निदान कर्म का फल क्या होता है?

(पाप) किसी तीन प्रश्नों के उत्तर दें

(क) अघात नाम कर्म किसे कहते हैं?

(ख) नपुंसक वेद में किस चीज का प्रकोप होने से क्या खाने की इच्छा उत्पन्न होती है? तथा नपुंसक वेद किसकी तरह होता है?

(ग) ठाणं सूत्र में कौन सी दो प्रकार की वेदना बताई गई है? नाम लिखकर व्याख्या करें।

(घ) गौरव को परिभाषित करते हुए बताएं कि वह अशुभ नाम कर्म बंध का हेतु क्यों है?

प्र. 2 निम्न प्रश्नों का उत्तर व्याख्या सहित लिखें। 10

(पुण्य)

(क) कल्याणकारी व अकल्याणकारी कर्मों के बंध के हेतुओं का उल्लेख करें।

अथवा

योग किसे कहते हैं? सिद्ध करें कि पुण्य निरवद्य योग से होता है?

(पाप)

(ग) सिद्ध करें कि पाप स्वयंकृत है?

अथवा

मोहनीय कर्म के स्वभाव और इसके भेदों का उल्लेख करें।

प्र. 3 निम्न प्रश्नों के उत्तर विस्तार पूर्वक दीजिए। 24

(क) (पुण्य) सावद्य और निरवद्य कार्य का आधार क्या है? भावना के आधार पर योग शुभ-अशुभ हो सकते हैं क्या?

अथवा

पुण्य बंध के सिद्धांत को सविस्तार समझाएं।

(ख) (पाप) चारित्र मोहनीय कर्म की प्रकृति व उत्तर प्रकृतियों का वर्णन करें।

अथवा

पुण्य और पाप के विकल्प क्या-क्या हैं?

अवबोध30 (निर्जरा से देवगति)

प्र. 4 किन्हीं छह प्रश्नों के उत्तर एक-दो वाक्यों में दें। 6

(क) एक साथ एक सौ आठ सिद्ध होने के बाद कितने समय तक 108 सिद्ध नहीं हो सकते?

(ख) नवें दसवें देवलोक के विमानों की संख्या कितनी है?

(ग) दूसरे देवलोक की परिग्रही व अपरिग्रही देवियों की स्थिति (आयुष्य) कितनी है?

(घ) सबसे छोटी अवगाहना वाले एक साथ कितने सिद्ध हो सकते हैं?

(ङ) पहले निर्जरा होती है या पुण्य का बंध?

(च) बंध के चारों प्रकारों में मूल बंध कौन सा है? भवी होने की पहचान क्या है?

(छ) क्या हर किसी मुनि का अपहरण किया जा सकता है?

प्र. 5 किन्हीं छह प्रश्नों के उत्तर दो-तीन लाईन में दें। 12

(क) मुनि के शरीर से अपकायिक जीवों की जो हिंसा होती है, उससे क्या कर्म बंध नहीं होता?

(ख) क्या सभी केवलियों के केवली समुद्घात होता है?

(ग) सूर्य चन्द्रमा असंख्य हैं, अढ़ाई द्वीप में भी अनेक हैं, फिर तीर्थंकरों के कल्याणक महोत्सव में कौन से सूर्य चन्द्रमा प्रतिनिधित्व करते हैं?

(घ) त्रायस्त्रिंशक देव कौन होते हैं? क्या वे सभी जाति के देवों के अन्तर्गत हैं?

(ङ) क्या क्षायक सम्यक्त्वी देवता के तीर्थंकर गोत्र का बंध हो सकता है?

(च) जब लिंग बाधक नहीं है तब नपुंसकलिंगी में सम्यक्त्व का निषेध क्यों किया गया?

(छ) क्या अभवी के भी सकाम निर्जरा हो सकती है?

(ज) क्या बंध की स्वतंत्र क्रिया है?

प्र. 6 किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर व्याख्या सहित देवें। 12

(क) निर्जरा तो आठों कर्मों की होती है, फिर वर्णन केवल चार घातिक कर्मों की निर्जरा से प्राप्त गुणों का ही क्यों आता है?

(ख) मुक्तात्माऐं कहां रहती हैं? तथा सिद्ध शिला क्या है? और कहां पर है?

(ग) केवली समुद्घात का क्रम क्या है?

(घ) वैमानिक देवों के कितने प्रकार हैं? नाम लिखें। क्या इन देवों में शासक और शासित होते हैं?

(ङ) लोकांतिक देव कौन होते हैं? क्या वे सम्यक्त्वी ही होते हैं? व किल्विषिक देव किस जाति के देवों में आते हैं?

गीतिका (दस-दान, अठारह-पाप)20

प्र. 7 कोई चार पद्य अर्थ सहित लिखें(प्रत्येक वर्ग में से दो पद्य करें) 16

दस दान

(क) ग्रह करड़ा.....भणी ए।

(ख) किरतनिया.....अनेक ए।

(ग) मुकलावो.....नाम ए।

(घ) ए मिश्र.....रूढ़ में ए।

(ङ) जो मिले मोख.....नहीं ए।

(च) पिण बाकी.....बात में ए।

प्र. 8 कोई चार प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दें। 4

(क) संसार भ्रमण कराने वाला दान कौन सा है?

(ख) अनुकम्पा दान किसे कहते हैं?

(ग) कायंती दान से आप क्या समझते हैं?

(घ) सुपात्र दान देकर जो अहंकार नहीं करता है, वह क्या-क्या चीजों को प्राप्त करता है?

(ङ) जिनके कर्म सघन हैं, उन्हें क्या समझ में नहीं आता है व उनका मिथ्यात्व कैसा व कितने समय से चला आ रहा है?